आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-5, भोपाल, सोमवार 27 फरवरी से 05 मार्च 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

मालदीव एक आइलैंड सऊदी अरब को बेचने की तैयारी में

नई दिल्ली। मालदीव अपने एक आइलैंड का कंट्रोल सऊदी अरब को देने का प्लान बना रहा है। मालदीव इंडियन ओशन में पड़ोसी है, लिहाजा इस फैसले से भारत के सामने सिक्युरिटी से जुड़ी एक नई चुनौती खड़ी हो सकती है। मालदीव के अपोजिशन का कहना है कि इस फैसले के बाद यहां वहाबी सोच बढ़ेगी और देश के स्कूल मदरसों में बदल जाएंगे। खतरनाक साबित होगा फैसला...

- मीडिया रिपोर्ट ने मालदीव की अपोजिशन मालदीवियन डेमोक्रैटिक पार्टी (एमडीपी) के हवाले से यह जानकारी दी है।
- एमडीपी ने कहा है कि देश के 26 आइलैंड्स में से एक फाफू को सऊदी अरब को बेचने का फैसला खतरनाक साबित हो सकता है।
- पार्टी का मानना है कि इससे देश में वहाबी सोच को बढ़ावा मिलेगा।

हाफिज के बेटे ने कबूला दाऊद का आतंकी कनेक्शन

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हमेशा दावा करती रही हैं कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का दहशतगर्दी से गहरा नाता है. अब इस हकीकत की तस्दीक लश्कर ए तैयबा के सरगना हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद की जुबान से हुई है. सामने आया सनसनीखेज वीडियो : तल्हा सईद का एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसमें वो भीड़ को दाऊद इब्राहिम का नाम लेकर आतंकवाद के लिए उकसा रहा है. वीडियो 5 फरवरी को शूट किया गया था. इस दिन को पाकिस्तान में 'कश्मीर दिवस' के तौर पर मनाया जाता है. वीडियो में तल्हा समर्थकों से पूछता है कि क्या वो डॉक्टर, पुलिस या जज बनना चाहते हैं? भीड़ का जवाब 'ना' में आता है. इसके बाद तल्हा पूछता है कि क्या लोग दाऊद और बुरहानी वानी जैसा बनना चाहते हैं तो भीड़ चीखकर 'हां' में जवाब देती है।

कश्मीर की आजादी से जुड़े पोस्टर लगे दिखे

नई दिल्ली। दिल्ली का जेएनयू एक बार फिर विवादों में है. यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर कश्मीर की आजादी वाले पोस्टर लगाए गए हैं जिस पर माहौल गरमाता दिख रहा है. पोस्टर में कश्मीर की तुलना फिलस्तीन से की गई है, जिसमें कश्मीर की आजादी की बात कही गई है. इधर, दिल्ली पुलिस का कहना है कि पोस्टर को लेकर जेएनयू प्रशासन से कोई शिकायत नहीं मिली है, शिकायत मिलने के बाद ही वे कार्रवाई करेंगे. लेफ्ट के छात्र संगठन ष्ठस्र यानी डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स यूनियन ने इस पोस्टर को लगाया है. DSU अल्ट्रा लेफ्ट छात्र संगठन है. जेएनयू के छात्रों के मुताबिक- ये पोस्टर बीते करीब एक साल से यहां लगा है, लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय में हुए ताज़ा विवाद के बाद अचानक यह मामला उठ गया है. एबीवीपी के छात्र ललित पांडे का कहना है ये पोस्टर तीन-चार महीने पहले का है. वहीं NSUI सनी धिमान का कहना है कि पोस्टर एक साल पुराना है.(जेएनयू के छात्र नेता उमर खालिद ने किया वीरेंद्र सहवाग पर हमला, कहा - भारत का प्रतिनिधित्व नहीं करता ये क्रिकेटर) मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- यह संगठन करीब एक साल पहले जेएनयू में सक्रिय था. कैंपस में देशविरोधी नारे लगाने के आरोपी उमर खालिद और अनिर्बान भट्टाचार्य इसके सदस्य थे. डीएसयू के पूर्व सदस्यों उमर खालिद, अनिर्बान भट्टाचार्य और अन्य ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरू को फांसी दिए जाने के खिलाफ पिछले साल विवादास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें कथित तौर पर राष्ट्रविरोधी नारेबाजी हुई थी.

मिर्जापुर में मोदी बोले- 11 मार्च को सपा-बसपा और कांग्रेस को लगेगा करंट

नई दिल्ली। यूपी चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के लिए प्रचार में अब सभी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है. अंतिम चरण में 8 मार्च को 7 जिलों की 40 सीटों पर मतदान होना है. पीएम मोदी ने शुक्रवार को मिर्जापुर में रैली को संबोधित किया.

मिर्जापुर में बोले पीएम -

– अब यह सवाल नहीं है कि किसकी सरकार बनेगी, यह चुनाव सपा-बसपा-कांग्रेस की छुट्टी का उत्सव है

– जब यहां सपा-बसपा की सरकार थी तो यहां 13 साल पहले मुलायम सिंह ने बरेली और मिर्जापुर के बीच पुल के निर्माण की आधारशिला रखी थी, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ, लेकिन सीएम कह रहे हैं कि काम बोलता है.

– बेटा बाप के किए हुए कामों को कभी अधूरा नहीं छोड़ता, लेकिन अखिलेश ने अपने पिता के इरादों को भी पूरा नहीं किया, ये कैसा काम बोलता है.

– जो खुद अपना काम नहीं बता पा रहे हैं सिर्फ काम का ढोल पीटने को फैशन बताते हैं, आजकल वह मुझे काम बताते हैं.

– अखिलेश ने मुझे कहा कि जरा बिजली के तार को पकड़ कर तो देखो, आपके अपने नये यार 27 साल यूपी बेहाल से बहुत गले लगते हैं.

– यह मालूम नहीं है कि खाट किसकी खड़ी होगी, आपके यार तो खाट सभा करने निकले थे और लोग खटिया उठा कर ले गये, क्योंकि लोगों को पता था कि उनकी ही खाट है.

– एक खाट सभा ने उनका हाथ बिजली के तार पर लगा, तो गुलाम नबी आजाद ने कहा कि बचिये, तो राहुल जी ने कहा कि गुलाम नबी आजाद जी चिंता नहीं कीजिये, यहां तार है पर बिजली नहीं होती. अब मुझे इसे छूने की जरुरत नहीं. लेकिन 11 मार्च को सपा-बसपा-कांग्रेस को करंट लगेगा.

– मिर्जापुर से इतनी नफरत क्यों, बहनजी का मिर्जापुर के पत्थरों से क्या झगड़ा था. यहां से अपनी मूर्तियां बनवाने के लिए ले गये थे, लेकिन जब जांच शुरू हुई तो उन्होंने राजस्थान का पत्थर बताया.

– यहां पर 13 साल से पुल नहीं बनाया लेकिन सैफई में होता तो जल्दी बन जाता, बहनजी को अपनी मूर्तियां बनवानी होती तो इतना इंतजार नहीं होता. इसलिए इन्हें इन चुनावों में चुन-चुन कर साफ कर दीजिये.

– यहां के पीतल के उद्योग को बर्बाद कर दिया गया, जिसके कारण यहां के लोगों को गुजरात और महाराष्ट्र जाना पड़ता है.

– यूपी में थाने में शिकायत दर्ज करने के लिए भी रेट कार्ड लगा है, यहां भ्रष्टाचार दीमक की तरह घुस गया है.

– यूपी के भ्रष्टाचार से अशोक चक्रधर की लाइनें याद आती हैं, उन्होंने कहा है कि नजराना, हकराना, शुकराना, जबराना, इन्हीं चार प्रकार के भ्रष्टाचार से यूपी बर्बाद है. इन सभी से मुक्ति की एक दवाई एक ही है- हराना, इसलिए आप सपा-कांग्रेस-बसपा को हराइये.

सीमा विवाद पर वरिष्ठ चीनी नेता ने कहा- भारत तवांग दे दे

नई दिल्ली। भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ भू-भागों की अदला-बदली करने की ओर इशारा किया है। सूत्रों के मुताबिक अगर भारत चीन को अरुणाचल प्रदेश का तंवाग वाला हिस्सा देने पर राजी हो तो चीन कश्मीर स्थित अक्साई चिन पर अपना कब्जा छोड़ सकता है। चीन की ओर से ये सुझाव पूर्व चीनी राजनीतिज्ञ और कम्यूनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता दाई बिंगुओ ने एक इंटरव्यू में दिया है। दाई बिंगुओ 2013 में भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए गठित टीम के मुख्य वार्ताकार थे। उन्होंने बीजिंग के एक पब्लिकेशन को दिये गये इंटरव्यू में ये सुझाव दिया। आपको बता दें तवांग भारत-चीन सीमा के पूर्वी सेक्टर का सामरिक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और संवेदनशील इलाका है। हालांकि भारत सरकार के लिए तवांग और अक्साई चीन का आदान-प्रदान एक बेहद की कठिन प्रकिया है। तंवाग में बौद्धों का एक प्रमुख मठ स्थित है, और ये मठ तिब्बती बौद्धों के लिए भावनात्मक लगाव रखता है। इसके अलावा भारत का बौद्ध समुदाय भी इस मठ से धार्मिक और मानसिक रुप से जुड़ा हुआ है। फिर भी चीनी राजनयिक दाई का बयान यहां इस लिहाज से महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना चीनी सरकार की आधिकारिक अनुमित के वे ऐसा बयान नहीं दे सकते थे।

सिख व्यक्ति को मारी गोली, कहा- हमारे देश से चले जाओ

वाशिंगटन। महज पंद्रह दिनों के अंदर ही अमेरिका में एक और भारतीय को नस्लीय हमले का शिकार होना पड़ा है। ताजा हमले में एक भारतीय सिख को सिएटल में गोली मारकर घायल कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक नकाब पहने एक अज्ञात ने सिख 39 वर्षीय दीप राय को गोली मारने से पहले कहा कि 'उनके देश से बाहर चले जाओ'। डॉक्टरों के मुताबिक गोली उसके कंधे पर लगी है और वह खतरे से बाहर है। स्थानीय लोगों ने इस हमले पर गहरी नाराजगी जताते हुए हत्यारे को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं काउंसिल जनरल सैन फ्रांसिस्को इस मामले में लॉकल ऑथरिटी से बात कर रहा है। सिख व्यक्ति को गोली मारने से पहले हत्यारे जो शब्द कहे उन शब्दों ने एक बार फिर कंसास में हुई श्रीनिवास की हत्या की याद ताजा कर दी। उन्हें भी गोली मारने से पहले हत्यारे ने इन्हीं शब्दों का प्रयोग किया था। इसके अलावा गुरुवार को भी साऊथ कैरोलिना में भी रात में एक भारतीय मूल के दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिस पर वहां रहने वालों ने काफी रोष व्यक्त किया था।

2050 तक सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश होगा भारत

वाशिंगटन। इस्लाम अकेला ऐसा धर्म है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका स्थित 'प्यू रिसर्च सेंटर' की रिपोर्ट के मुताबिक, 2050 तक भारत दुनिया में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश होगा और यह संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। फिलहाल मुस्लिम आबादी के मामले में भारत दुनिया में इंडोनेशिया के बाद दूसरे नंबर पर है। 'द फ्यूचर ऑफ वर्ल्ड रिलीजन' नामक इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 से 2050 के बीच मुस्लिमों की जनसंख्या में 73 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वहीं, ईसाइयों की संख्या इस दौरान 35 फीसद तक बढ़ेगी, जो दूसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक दुनिया की जनसंख्या 35 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। अगर मौजूदा वृद्धि दर 2050 के बाद भी बरकरार रही तो 2070 तक दुनिया में सबसे ज्यादा लोग मुस्लिम धर्म को मानने वाले होंगे। 2010 में दुनिया में 1.6 अरब मुस्लिम और 2.17 अरब ईसाई थे। अगर दोनों धर्म अपनी मौजूदा वृद्धि दर से बढ़ते रहे तो 2070 तक इस्लाम के मानने वालों की तादाद ईसाइयों से ज्यादा होगी। अमेरिका में भी बढ़ेगी मुस्लिम आबादी : रिपोर्ट के मुताबिक, अभी अमेरिका में मुस्लिमों की आबादी कुल जनसंख्या का करीब एक प्रतिशत है और 2050 तक इसके 2.1 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

आरोपी के परिजन का दस हजार वर्गफीट अवैध निर्माण तोड़ा

बिजली के खंभों को भी बाड़े की जद में लेकर बाउंड्रीवॉल बना दी गई थी

इंदौर। दो दिन बाद नगर निगम ने गुरुवार को परदेशीपुरा क्षेत्र में पशुपालकों के ठिकानों पर कार्रवाई की। कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र में निगमकर्मी हत्याकांड के आरोपी के रिश्तेदार का संकरी गली में बना करीब दस हजार वर्गफीट का आलीशान मकान ढहाने के लिए रास्ता नहीं मिला तो नाले के जरिये बुलडोजर पहुंचाया। शाम तक चली कार्रवाई में पशुपालकों के पांच मकान और बाड़े तोड़े गए।

सुबह कुलकर्णी भट्टे से निगम ने कार्रवाई शुरू की। 200 निगमकर्मियों के साथ सौ से ज्यादा पुलिस जवानों का दल मौजूद था। संकरी गली में करीब 10 हजार वर्गफीट पर पशुपालक कोमल यादव ने पक्का निर्माण कर मकान और बाड़ा बना लिया था। वह निगमकर्मीहत्याकांड के आरोपी ग्यारसीलाल यादव के परिवार से बताया जा रहा है। बाड़े और मकान के निर्माण के लिए नाले की जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया था। गली बमुश्किल सात फीट चौड़ी थी। बिजली के खंभों को भी बाड़े की जद में लेकर बाउंड्रीवॉल बना दी गई थी। निगम ने गली के रास्ते बुलडोजर मकान तक पहुंचाए लेकिन उसे ऑपरेट करने के लिए जगह नहीं मिली। उपायुक्त महेंद्रसिंह चौहान ने मौका मुआयना कर तय किया कि मकान तोड़ने की शुरुआत नाले वाले हिस्से से की जाए। कल्याण मिल पुल के पास नाले में बुलडोजर उतारे गए और पिछले हिस्से से तोड़ना शुरू किया। आगे की बाउंड्रीवॉल हथौड़ों से तोड़ी गई।

रोकने आया वकील : कार्रवाई के बीच एक वकील उपायुक्त चौहान के पास पहुंचा और कहा कि मामला कोर्ट में है। आपको कार्रवाई रोकना होगी। उपायुक्त ने कहा कि कोर्ट का आदेश पेश करें, कार्रवाई रोक देंगे। वकील ने कहा कि कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कल सुनवाई रखी है। एक दिन यदि आपने मकान नहीं तोड़ा तो निगम का नुकसान नहीं हो जाएगा। उपायुक्त चौहान ने स्टे दिखाने का कहा।

खाली मिला जाट का मकान : कुलकर्णी भट्टे में कार्रवाई पूरी करने के बाद निगम ने परदेशीपुरा का रुख किया। गली नंबर 5 स्थित पशुपालक रमेश जाट के तीन मंजिला मकान पर कार्रवाई की गई। अमले के पहुंचने पर मकान पूरी तरह खाली मिला। अधिकारियों ने मकान के साथ पास ही खाली प्लॉट पर बनाया गया टिन शेड भी ढहाया।

मंदिरों के बजट नहीं पहुंचे संभागायुक्त के पास

उज्जैन। महाकाल मंदिर सहित शहर के सभी प्रमुख मंदिरों के बजट अब तक संभागायुक्त डॉ. रविंद्र पस्तोर के पास नहीं पहुंच सके हैं। इस मामले में मंदिर प्रबंध समितियों को नोटिस जारी किए जा सकते हैं। हर साल मंदिर प्रबंध समितियों द्वारा मार्च में बजट भेजे जाते हैं। संभागायुक्त द्वारा अनुमोदन के बाद ही आगे की प्रक्रिया की जाती है। उज्जैन तहसील के अंतर्गत चिंतामन गणेश मंदिर, हरसिद्धि, शनि मंदिर और कालभैरव मंदिर हैं। घट्टिया तहसील में मंगलनाथ, कालभैरव, सिद्धवट मंदिर हैं। इन मंदिरों में भी अच्छी आय होने लगी है। मार्च शुरू हो गया है, लेकिन अब तक मंदिर प्रबंध समितियों ने नए बजट अनुमोदन के लिए संभागायुक्त कार्यालय भेजे नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक रतलाम के एक मंदिर का बजट ही प्राप्त हो सका है। इस स्थिति को देखते हुए सभी प्रबंध समितियों को नोटिस जारी करने की तैयारी जारी की जा रही है।

केरल के सीएम का सिर काटने वाले को एक करोड़ दूंगा

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर प्रचार प्रमुख डॉ. कुंदन चंद्रावत ने बुधवार को सार्वजनिक मंच पर विवादित बोल बोले। डॉ. चंद्रावत ने कहा कि कोई स्वयंसेवकों के हत्यारे केरल के सीएम का सिर काटकर ला दे, अपनी एक करोड़ रूपये की संपत्ति उसके नाम कर दूंगा। वे केरल में हो रही हिंसा के विरोध में शहीद पार्क पर हुई जनाधिकार समिति की सभा को संबोधित कर रहे थे। सभा में सांसद चिंतामणि मालवीय और विधायक मोहन यादव भी मौजूद थे। डॉ. चंद्रावत इतने पर ही नहीं रूके उन्होंने कहा– गोधरा को भूल गए क्या। 56 मारे थे, 2 हजार को कब्रिस्तान पहुंचा दिया। जमीन के अंदर घुसा दिया, इसी हिंदू समाज ने 1300 प्रचारक और कार्यकर्ताओं की हत्या की है तुमने। वामपंथियों सुन लो, तीन लाख नरमुंडों की माला भारत माता को पहनाएंगे। इधर, एसपी एमएस वर्मा ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं आया है। जानकारी मिलने पर ही कुछ कहा जा सकता है। मैं अपनी बात पर कायम : सभा के बाद मीडिया से चर्चा में डॉ. चंद्रावत ने कहा, मैं अपनी बात पर कायम हूं। भारत माता का सपूत होने के नाते मैंने यह बात कही है। जो भी होगा एक सपूते के नाते स्वीकार करूंगा। – डॉ. कुंदन चंद्रावत

नर्सिंग स्टूडेंट ने आरडी गार्डी में की तोड़फोड़

उज्जैन। समय पर परीक्षा न होने से नाराज आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग विद्यार्थियों ने बुधवार को हंगामा कर दिया। विद्यार्थियों ने पहले कॉलेज में तोड़फोड़ की, इसके बाद विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन पहुंच गए। यहां कुलपति कक्ष में प्रवेश को लेकर खासा हंगामा हुआ। पुलिस ने लाठी फटकार बलपूर्वक विद्यार्थियों को प्रशासनिक भवन से बाहर किया। इसमें कुछ विद्यार्थी घायल भी हो गए हैं। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या अधिक थी। आरडी गार्डी कॉलेज के नर्सिंग विद्यार्थियों की परीक्षा नवंबर-दिसंबर में हो जानी थी। हालांकि अब तक परीक्षा का कार्यक्रम ही जारी नहीं हो सका। इस पर बुधवार सुबह विद्यार्थी भड़क गए और कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को बुलाकर विद्यार्थियों को बाहर कराया। इसके बाद विद्यार्थी विवि प्रशासनिक भवन पहुंच गए और कुलपति से मिलने की मांग की। विवि प्रशासन ने चैनल गेट पर ताला जड़वा दिया और विद्यार्थियों का आक्रोश देख इस बीच पुलिस को भी सूचना दे दी। अफसरों ने समझाने का प्रयास किया, मगर विद्यार्थी नहीं माने। उनका कहना था कि कुलपति से ही बात करेंगे। इस बीच कुछ छात्र नेताओं ने चैनल का ताला तोड़ने का प्रयास भी किया। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने विद्यार्थियों को बलपूर्वक खदेड़ना शुरू कर दिया। लाठी भी फटकारी गई। पुलिस ने छात्राओं तक को नहीं बख्शा। छात्राओं को भी बलपूर्वक बाहर किया गया। इसमें कुछ विद्यार्थी घायल हो गए। अफरा-तफरी में एक छात्र सीढ़ियों से नीचे गिर पड़ा। बाद में विद्यार्थी चैनल गेट के बाहर नारेबाजी करने लगे। शाम 6 बजे तक विद्यार्थी यहां डटे रहे। अफसरों ने आश्वस्त किया कि जल्द परीक्षा कार्यक्रम जारी हो जाएगा, इसके बाद ही छात्र लौटे।

नियमों का पालन न करने पर सात कॉलेजों में नहीं कराई परीक्षा- विवि प्रशासन

मामले में विवि प्रशासन ने कहा कि आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज सहित परिक्षेत्र में सात कॉलेजों की परीक्षा रोकी गई थी। इन कॉलेजों द्वारा तय नियमों का पालन नहीं कराया जा रहा था। मंगलवार को ही आरडी गार्डी कॉलेज का निरीक्षण कराया गया। आरडी गार्डी सहित दो कॉलेज की रिपोर्ट इसमें ओके मिली है। शेष 5 कॉलेजों की रिपोर्ट आते ही परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा।

फोटोग्राफी

जिप्सी से बदन कुछ इस तरह खुजाया कि लगा भूचाल आ गया

टाइगर ने जिप्सी से बदन खुजाया और मानो भूचाल आ गया

इंदौर। युवा फोटोग्राफरों में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के प्रति दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। 'विश्व वन्यजीव दिवस' के मौके पर हमने बात की शहर के कुछ ऐसे वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स से जो एक बेहतरीन क्लिक की जिद में जुनून की हद पार कर जाते हैं। हालांकि इस दौरान उन्हें कुछ रिस्क भी उठानी पड़ती है मगर जो कुछ कैमरे में कैप्चर होता है उसे देखकर दोबारा ऐसी क्लिक करने का हौसला मिल जाता है।

शहर के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर आसपास के क्षेत्रों से लेकर बांधवगढ़ और कान्हा नेशनल पार्क तक फोटोग्राफी के लिए जा रहे हैं। कुछ फोटोग्राफर बेहतर फोटोग्राफ के लिए अफ्रीकन सफारी तक पहुंच रहे हैं। फोटोग्राफर आलोक दुबे बताते हैं कि वो हर साल अमूमन दो बार वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के लिए अफ्रीका जाते हैं। मगर रोंगटे खड़े कर देना वाला वाकया 2014 में नागपुर के पास ताड़ोबा जंगल में हुआ। वो एक बैठे हुए टाइगर को करीब 15 फुट दूरी से शूट कर रहे थे। धीरे-धीरे जब वो करीब 10 फुट पास पहुंच गए तो टाइगर खड़ा होकर इस तरह गुर्राया मानो कह रहा हो 'अपनी हद में रहो' अब आलोक ने वापस जिप्सी में पहुंचने में ही भलाई समझी। मगर टाइगर उनके पीछे-पीछे जिप्सी तक आ गया। करीब 15-20 सेकंड तक आई कांटैक्ट के बाद वापस जाते-जाते उसने जिप्सी से बदन कुछ इस तरह खुजाया कि लगा भूचाल आ गया। आलोक के साथ गाइड और ड्राइवर भी घबरा गए। इसके बाद भी बाघ करीब एक घंटे तक उनका रास्ता रोके जिप्सी से कुछ ही दूरी पर बैठा रहा।

कैमरे के साथ किताबें भी पढ़ें : 12 साल से वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी कर रहे फैजान खान कहते हैं कि नेशनल पार्क के एकांत में हिंसक जानवरों के फोटो लेते समय सबसे ज्यादा खतरा शटर की आवाज होने के दौरान होता है। उस वक्त बेहद चौकन्ना रहना पड़ता है वरना खतरा हो सकता है। फोटोग्राफरों को कैमरे के क्लिक की प्रैक्टिस के साथ जंगली जानवरों से जुड़ी किताबें भी पढ़ते रहना चाहिए। इससे जानवरों की आदतें समझने में आसानी होगी और इमर्जेंसी में सही फैसले ले सकेंगे।

लाइट कलर की ड्रेस पहनें फोटोग्राफर : फोटोग्राफर मनोज चौधरी कहते हैं कि वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के दौरान ड्रेस का चुनाव बेहद सावधानी से करें। गहरा लाल, नीला, पीला, गुलाबी जैसे चटक रंगों की पोशाक नहीं पहनें क्योंकि ये रंग प्राकृतिक परिवेश में घुलमिल नहीं पाते हैं। इससे जंगली जानवर आपकी ओर अनावश्यक रूप से आकर्षित होते हैं। मनोज के मुताबिक इंदौर में सिरपुर और यशवंत सागर में पक्षियों के अच्छे फोटो हो जाते हैं वहीं कान्हा किसली और बांधवगढ़ भी फोटोग्राफी के लिहाज से शानदार हैं। विंध्याचल की पहाड़ियों में काफी जंगल हैं, वहां भी वाइल्ड लाइफ फोटोशूट की सुविधाएं हैं। वैसे शहर के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स की फेवरेट प्लेस अफ्रीकन सफारी है। परिंदों के एक्सपर्ट फोटोग्राफर शीतल सैनी बताते हैं कि हर पक्षी एक तय दूरी तक ही करीब आने देता है। इनके फोटो करते समय इस बात का खास ध्यान रखना पड़ता है।

कैमरे भी होते हैं खास : वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के लिए शहर के फोटोग्राफर जिस तरह के कैमरे इस्तेमाल कर रहे हैं उनसे एक सेकंड में 8 से 16 फ्रेम्स तक कैप्चर की जा सकती हैं। क्लिक दबाए रखने पर एक बार में 75 से 125 फ्रेम्स तक भी खींची जा सकती हैं। इतनी तेजी से लिए जा रहे फोटोज को सेव करने के लिए 32 से 128 जीबी तक हाई स्पीड मेमोरी कार्ड कैमरे में लगाई जा रही हैं। फोटोग्राफर्स 150 से 600 एमएम के लैंस का उपयोग कर रहे हैं।

इसलिए जाते हैं अफ्रीकन सफारी : एक्सपर्ट्स के मुताबिक हमारे यहां राष्ट्रीय उद्यानों में फोटोग्राफी के लिए 45 हजार रु. प्रतिदिन के हिसाब से जीप मिलती है और एक बार के टूर में कम से कम अच्छी फोटोग्राफ्स के लिए एक से दो सप्ताह तो लग ही जाते हैं। पूरे टूर में करीब 5 लाख का खर्च आता है। जबकि इससे कम खर्च में अफ्रीका में 8 दिन का टूर हो जाता है। डोमेस्टिक टूर में सुविधाओं का भी अभाव है और 10 से 30 परसेंट भीतर जाने की ही परमीशन मिलती है।

मध्यप्रदेश में गेहूँ उपार्जन 15 मार्च से होगा शुरू

करीब 3 हजार केन्द्रों से होगी खरीदी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मंत्रालय में गेहूँ उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की गई। बताया गया कि इंदौर एवं उज्जैन संभाग में 15 मार्च से गेहूँ उपार्जन कार्य प्रारम्भ हो जायेगा। भोपाल एवं नर्मदापुरम में 20 मार्च से और चंबल, ग्वालियर, रीवा, शहडोल, जबलपुर और सागर संभाग में 27 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूँ-खरीदी प्रारम्भ हो जायेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गेहूँ खरीदी की समस्त व्यवस्थाएँ किसान-हित के अनुसार की जायें। किसान-हितों का संरक्षण सरकार की जवाबदारी है। उन्होंने कहा कि खरीदी कार्य संचालन व्यवहारिक दृष्टिकोण के साथ किया जायें। किसानों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने पर दृष्टिकोण केन्द्रित रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि उपार्जन-अवधि में किसान-परिवारों में वैवाहिक कार्यक्रम आदि का आयोजन होता है। इसलिये भुगतान संबंधी व्यवस्थाओं की समय-सीमा का अक्षरक्ष: पालन करवाया जाये। उन्होंने कहा कि किसानों को पंजीयन करवाने का एक और अवसर दिया जाये ताकि पात्र किसान छूटें नहीं। बारदानों की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित की जायें। उन्होंने बारदाना आपूर्ति की नियमित मानीटरिंग करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपार्जित गेहूँ परिवहन की व्यवस्थाएँ प्रभावी हों तथा रूट का निर्धारण युक्तिसंगत हों। ट्रांसपोर्टर का एकाधिकार नहीं हो। क्षमता का परीक्षण कर ही कार्य सौंपा जाये। मुख्यमंत्री ने किसानों के पंजीयन, उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्था, उपार्जित गेहूँ के परिवहन, भंडारण और भुगतान की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बताया गया कि इस वर्ष गेहूँ उपार्जन के लिए विगत सात वर्ष में सर्वाधिक 2,963 केन्द्र बनाए गए हैं। खरीदी 1625 रूपये प्रति क्विंटल मूल्य पर की जायेगी। उपार्जन समितियों द्वारा अधिकतम 3 दिवस में किसानों को भुगतान किया जायेगा।

आदिवासी अधिकार यात्रा निकलेगी

भ्रष्टाचारियों, बेइमानों को बख्शा नहीं जाएगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 'नमामि देवि नर्मदे'-सेवा यात्रा के समान ही आदिवासी अधिकार यात्रा निकाली जाएगी और उनकी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आवासहीनों को आवास उपलब्ध करवाया जाएगा। इसकी राशि सीधे उनके खाते में जमा होगी। इसमें कोई भ्रष्टाचार या बेईमानी हुई तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। श्री चौहान ने उमरिया में अंत्योदय मेला और हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दीन दयाल रसोई प्रारंभ की जाएगी जिसमें 5 रूपये में गरीबों को भरपेट भोजन कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सम्मेलन में बिरसा मुण्डा चौराहा, मन भरण रोड को करीब 6 करोड़ की लागत से सीसी रोड बनाने, चंदिया में स्टेडियम, हायर सेकेण्डरी भवन और गरीबों के आवास के लिए घर बनाने के लिए 12 करोड़ रूपये, पेयजल योजना के लिए 18 करोड़ रूपये और उमरिया नगर में आवास के लिए 50 करोड़ रूपये देने की घोषणा की।

श्री चौहान द्वारा विदिशा में देश के पहले पोस्ट-ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में भारत के पहले पोस्ट-ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया। इसके शुरू होने से विदिशा सहित रायसेन, गुना, अशोकनगर, सागर और दमोह जिले के नागरिकों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिये भोपाल नहीं जाना पड़ेगा। यह लघु केन्द्र पासपोर्ट सेवा केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। आवेदन-पत्र की जाँच के साथ ही उसकी स्वीकृति भी एक ही दिन में पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। श्री शेख सोहित और श्री पवन सोनी ने इस कार्यालय के माध्यम से अपने पासपोर्ट बनवाये। विदेश मंत्री श्री वाजपेयी के समय प्रदेश को मिला था।

मुख्यमंत्री ने नन्हें खिलाड़ियों एवं कलाकारों के बीच बैठकर उनका उत्साहवर्धन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उमरिया में जिला स्तरीय अन्त्योदय मेले में उपस्थित जिले के नन्हें उदीयमान खिलाड़ियों तथा आदिवासी कलाकारों के बीच बैठकर उनका उत्साह वर्धन किया तथा देश में अपनी प्रतिभा से जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री ने इन नौनिहालों से कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी निष्ठा लगन से पढ़ाई में जुटकर उत्कृष्ट वार्षिक परीक्षा परिणाम लाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आदिवासी वृद्ध महिला के परिवार की मदद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम शीलादेही की 80 वर्षीय आदिवासी महिला श्रीमती बूंदी इरपाची के परिवार की तत्काल मदद के लिये मुख्यमंत्री सहायता कोष से 25 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की है। श्रीमती बूंदी ने विधानसभा में मुख्यमंत्री से मिलकर जानकारी दी थी कि ऋण नहीं चुकाने के कारण बैंक द्वारा उनके मकान की तालाबंदी कर भूमि की नीलामी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर छिंदवाड़ा को निर्देश दिये हैं कि प्रकरण की त्वरित जाँच करवाकर सुनिश्चित करें कि वृद्धा के परिवार की मदद की जाये और उसके मकान और जमीन की नीलामी नहीं हो। श्रीमती बूंदी ने बताया कि उनके पुत्र की मृत्यु हो चुकी है और विधवा बहू और उसके बच्चे हैं।

डिंडौरी की श्रीमती रेखा पंदराम महिलाओं की स्थिति पर भाषण देने न्यूयार्क जायेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से यहाँ डिंडौरी जिले के मेहदवानी विकास खण्ड की फलवाही गाँव की श्रीमती रेखा पंदराम ने मुलाकात की। वे 'महिलाओं की आर्थिक स्थिति और खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के क्षेत्र में ग्रामीण और स्थानीय महिलाओं की भूमिका' पर अपने विचार रखने महिलाओं की स्थिति पर गठित आयोग के 61 वें सत्र में भाग लेने संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय न्यूयार्क जा रही है। श्रीमती पंदराम भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। मुख्यमंत्री ने श्रीमती पंदराम को ग्रामीण महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताते हुए उनका सम्मान किया और बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। यह सत्र न्यूयार्क में 13 से 24 मार्च तक होगा। श्रीमती पंदराम 15 मार्च को खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के लिये ग्रामीण और स्वदेशी महिलाओं के सशक्तीकरण एवं जमीनी स्तर पर महिलाओं को सशक्त बनाकर परिवर्तन लाने की रणनीति पर अपने अनुभव अंतर्राष्ट्रीय मंच पर साझा करेगी। श्री चौहान ने कहा कि श्रीमती पंदराम महिला सशक्तीकरण की राजदूत बनकर मध्यप्रदेश और भारत का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों को आगे बढ़ने के हर संभव अवसर उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

कौन है श्रीमती रेखा पंदराम? : श्रीमती रेखा पंदराम ने 2013 में मेहदवानी में तेजस्वी ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह महासंघ के सचिव के पद पर काम करना शुरू किया। इस महासंघ में 24 ग्राम पंचायतें और 41 गाँव आते हैं। इनमें ज्यादातर बैगा, गौड़ और कौल जनजाति निवास करती है।

बजट

समग्र दृष्टि से ऐतिहासिक और नौजवानों में आशा और विश्वास पैदा करने का बजट

मुख्यमंत्री श्री चौहान की बजट 2017-18 पर प्रतिक्रिया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधान सभा में प्रस्तुत वर्ष 2017-18 के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हर दृष्टि से ऐतिहासिक, जनोन्मुखी और किसान हितैषी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि समग्र दृष्टि से यह बजट किसानों के कल्याण और गरीबों के उत्थान का बजट है। नौजवानों के मन में आशा और विश्वास पैदा करने का बजट है। महिला सशक्तीकरण और पर्यावरण बचाने का बजट है। नदी के संरक्षण का बजट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं फिर चाहे वह स्कूली शिक्षा हो, उच्च शिक्षा या मेडिकल एजुकेशन का क्षेत्र हो। चिकित्सा शिक्षा का बजट 61 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। स्वास्थ्य सुविधाएँ और ज्यादा सुदृढ़ करने के लिए स्वास्थ्य का बजट 16 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। विधवा बहनों को चाहे वे गरीब हों या अमीर हों, पेंशन मिलेगी। शासकीय कर्मचारियों को सातवां वेतनमान जुलाई माह से मिलेगा।

श्री चौहान ने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए 33 हजार करोड़ से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण वर्ष के अंतर्गत गरीब वर्गों के कल्याण की कई योजनाएँ लागू की गयी है। प्रतिभाशाली बच्चों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति-जनजातियों की जनसंख्या के अनुपात में बजट बढ़ाया गया है। श्री चौहान ने कहा कि नया बजट मध्यप्रदेश को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने वाला है। अधोसंरचना विकास की दृष्टि से सिंचाई और सड़कों पर पर्याप्त प्रावधान किया गया है। सिंचाई के बजट में 12 प्रतिशत और एनवीडीए के बजट में 28 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में डामरीकरण करने का फैसला लिया गया है। बिजली की व्यवस्था बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। गरीब तबकों के लिये सबके लिये आवास, चिकित्सा और शिक्षा की व्यवस्था की गई है। श्री चौहान ने कहा कि बिना भेदभाव के 85 प्रतिशत अंक लाने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पर सरकार उनकी फीस भरायेगी। यदि मेडिकल कॉलेज प्राइवेट हैं तो उनसे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने का बांड भरवायेंगे। इस उददेश्य से एक हजार करोड़ का फंड बनाया जा रहा है। इसके लिये बजट में 500 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

सभी विधवाओं को मिलेगी पेंशन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश की ऐसी सभी विधवा महिलाओं को जो किसी भी सेवा में नहीं है उन्हें पेंशन दी जायेगी। उन्होंने कहा कि पेंशन राशि वितरण में गरीबी रेखा का बंधन नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई प्रतिभावान छात्र पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के छात्रों की इंजीनियरिंग मेडिकल, आईआईटी, आईआईएम जैसे महँगे पाठ्यक्रमों की शिक्षा के लिए बजट में 500 करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उमरिया जिले के नौरोजाबाद में अन्त्योदय मेले एवं हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सालों से काबिज लोगों को मकान का स्थाई पट्टा दिया जायेगा वहीं गरीबों को मकान बनाने के लिए राशि भी मुहैया करवाई जायेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जिस भी व्यक्ति ने जन्म लिया है उसका आशियाना होगा ताकि वह परिवार सहित सुखी जीवन व्यतीत कर सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि आदिवासी अधिकार यात्रा आदिवासियों की भूमि पर अवैध कब्जों को हटाया जायेगा तथा आदिवासियों को उनकी भूमि पर काबिज किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 का साल गरीब कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। इस वर्ष प्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार सबसे पहले गरीबों की सरकार है। गरीबों के आँखों में कभी आँसू नहीं आने दूँगा। मैं उनके सुख दुख में सदैव भागीदार रहा हूँ और रहूँगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। मध्यप्रदेश में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

सम्पादकीय

नव स्वास्थ्य की भोर

आम आदमी का स्वास्थ्य मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। गरीबों विशेषकर गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य की जैसी परवाह पिछले 11 वर्षों में हुई वैसी पहले कभी नहीं हुई। कमजोर तबकों की बीमारी सहायता में आज मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान राशि का सैकड़ों गुना अधिक भाग खर्च हो रहा है। राज्य बीमारी सहायता निधि में गंभीर बीमारी से ग्रसित कमजोर तबके के लोग देश के किसी भी अस्पताल में अपना इलाज करा सकते हैं। अधोसंरचना सुदृढ़ होने के साथ साफ-सफाई में भी शासकीय अस्पताल निजी अस्पतालों को टक्कर देने लगे हैं। भावी पीढ़ी बीमार ही न पड़े, उसका बेहतर मानसिक और शारीरिक विकास हो, इसके लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आरंभ किया गया सूर्य नमस्कार छात्रों में एक संस्कार बन चुका है।

मातृ मृत्यु दर में कमी : प्रदेश में लगातार किये गये प्रयासों के फलस्वरूप मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। राष्ट्रीय औसत प्रति हजार पर 56 के विरुद्ध मध्यप्रदेश में यह घटकर 45 हो गया है। सर्वाधिक गिरावट वाले राज्यों में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मातृ मृत्यु दर वर्ष 2003 में 379 प्रति लाख जीवित जन्म से घटकर वर्ष 2011-12 में 221 हो गई है। जुलाई 2011 से जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम संचालित है। इसमें हर साल शासकीय अस्पतालों में प्रसव कराने वाली लगभग 11 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। संस्थागत प्रसव 28.3 से बढ़कर 73.3 हो गया है। गर्भवती महिलाओं की पहले तीन प्रसव पूर्व जाँच मात्र 34 प्रतिशत थी, जो करीब 72 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई है। भोपाल, ग्वालियर, इंदौर एवं रीवा जिलों में स्किल लेब की स्थापना कर मातृ-शिशु दर कम करने के लिये 2818 सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित किया गया।

शिशु मृत्यु दर में गिरावट : शिशु मृत्यु दर में भी गिरावट आई है। वर्ष 2004 में यह दर 79 प्रति हजार जीवित जन्म थी, जो 2013 में 54 औ 2015-16 में पुनच्घटकर 51 प्रतिशत हो गई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में 16 राज्यों की रिपोर्ट जारी हुई है जिनमें मध्यप्रदेश में सर्वाधिक सुधार हुआ है। प्रत्येक जिले में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई की स्थापना कर लगभग 5 लाख शिशुओं का उपचार किया गया। साथ ही समुचित देखभाल के 1364 न्यूबोर्न कार्नर भी स्थापित हैं। बच्चों में निमोनिया, दस्त रोगों को रोकने के विशेष प्रयास किये गये हैं। जुलाई 2015 में प्रदेश को न्यूबोर्न सर्वाइवल राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

गंभीर कुपोषण दर में भी कमी : राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2005-06 में गंभीर कुपोषण की दर 12.6 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2015-16 में घटकर 9.2 प्रतिशत हो गई। बाल मृत्यु दर में 28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। सर्वेक्षण-3 में यह दर वर्ष 2005-06 में 93 प्रति हजार जीवित जन्म थी, जो सर्वेक्षण-4 में 65 रह गई। प्रदेश के 315 पोषण पुनर्वास केन्द्रों में अब तक साढ़े 4 लाख से अधिक बच्चों को उपचारित किया जा चुका है। सभी जिला अस्पतालों को शिशु हितैषी अस्पताल बनाया गया है। बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिये हर साल दो बार बाल सुरक्षा माह आयोजित कर 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल पिलाया जाता है। वर्ष 2016-17 के प्रथम चरण में 77 लाख 46 हजार बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल पिलाया गया। बच्चों में रक्त अल्पता का दोष न हो इसके लिये 70 हजार 669 माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक 85 हजार और 113 प्राथमिक विद्यालय और 92 हजार 195 आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से छ: माह से 19 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं के लिये नेशनल आयरन प्लस इनिशेटिव कार्यक्रम संचालित है। दिसम्बर 2013 से जीरो से 18 वर्ष के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम भी चालू है। जिसमें मोबाइल हैल्थ टीम द्वारा अब तक सवा तीन करोड़ से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 17 लाख से अधिक बच्चों को निःशुल्क दवाइयाँ एवं 22 हजार से अधिक बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी शामिल है। प्रदेश में विकास खण्ड स्तर पर 595 मोबाइल हैल्थ टीम कार्यरत हैं।

सभी जिलों में किशोर स्वास्थ्य क्लनिक : प्रदेश में अप्रैल 2014 से आरंभ राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में सभी जिला अस्पताल में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक स्थापित किये जाकर किशोरों को निःशुल्क परामर्श सेवा शुरू की गई। ग्यारह जिलों के 77 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी यह क्लीनिक स्थापित हैं। वर्ष 2012-13 में 8 जिलों श्योपुर, शिवपुरी, भिण्ड, मुरैना, दतिया, विदिश, गुना एवं सागर में आरंभ माहवारी स्वच्छता योजना में आशा कार्यकर्ताओं ने किशोरियों को साढ़े 28 लाख से अधिक सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध करवायें। किशोरों को निःशुल्क स्वास्थ्य जानकारी देने के लिये टोल फ्री नं. 18002331250 हेल्पलाइन वर्ष 2014 में आरंभ की गई। वर्ष 2015 में सभी 51 जिला अस्पतालों में स्वास्थ संवाद केन्द्र और 11 जिले अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ, पन्ना, छतरपुर, डिण्डोरी, मण्डला, सतना, सिंगरोली एवं शहडोल में किशोरों के लिये समुदाय आधारित सेवाएँ आरंभ की गई। किशोरों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के लिये 'साथिया' नाम का एप बनाया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का सफल क्रियान्वयन : प्रदेश में वर्ष 2013-14 से प्रारंभ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में 136 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के जरिये साढ़े 25 लाख से अधिक मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ दी गई है। मिशन को बेसलाइन कार्य पूर्ण करने के लिये वर्ष 2015-16 में राजस्थान सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्टता अवार्ड से नवाजा गया है।

- पराग वराडपांडे

मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास का एक दशक

रोजाना के जीवन में पर्यटन के बढ़ते महत्व और पर्यटन विकास को देखते हुए मध्यप्रदेश में वर्ष 1978 में राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की स्थापना की गई थी। आज यह संस्था न केवल अपने गठन के उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति समर्पित होकर कार्य कर रही है बल्कि उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर भी है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05 में जो मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लगभग बंद होने की कगार पर था उसी निगम के बजट में पिछले 10 वर्ष में 10 गुना से भी ज्यादा इजाफा हुआ है। इसी प्रकार प्रदेश में भ्रमण पर आने वाले सैलानियों की संख्या में भी 10 से 15 फीसदी इजाफा हुआ है। वस्तुत: यह एक बंद होने के कगार पर खड़ी संस्था को पुनस्थापित करने या ऋ1द्ध1द्र करने की सफल कहानी है जो अन्य संस्थानों के लिये अनुकरणीय होने के साथ Case Study का भी उपयुक्त विषय है। प्रथम जल-महोत्सव का हनुवंतिया में सफल आयोजन किया गया। हनुवंतिया में वॉटर स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर रूज़, मोटर बोट एवं जलपरी का संचालन किया जा रहा है। द्वितीय जल महोत्सव 15 दिसम्बर 2016 से 15 जनवरी 2017 तक आयोजित किया जायेगा। हनुवंतिया में हाउस बोट के संचालन की तैयारी है। हनुवंतिया की तर्ज पर ओंकारेश्वर के नजदीक सैलानी टापू पर नया वॉटर स्पोर्टस केन्द्र विकसित किया जा रहा है। यह स्थान ओंकारेश्वर बाँध परियोजना के नजदीक स्थित है। यहाँ रिसॉर्ट और बोट क्लब का निर्माण अंतिम चरण में है। प्रथम राज्य स्तरीय अवार्डस स्थापित कर कुल 30 श्रेणी में 39 अवार्डस वितरित किये गये। पहली बार जिला स्तर पर स्कूली विद्यार्थियों के लिये पर्यटन क्विज का आयोजन किया गया। कुल 3675 स्कूलों के लगभग 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी की। राज्य स्तर पर पर्यटन क्विज के फाइनल राउण्ड का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण किया जा चुका है।

महत्वपूर्ण प्रोजेक्टस: पर्यटन विभाग भारत शासन से स्वीकृत केन्द्रीय योजना पर्यटक परिसर नीमच का शिलान्यास एवं बाँधवगढ़ में पर्यटक स्वागत केन्द्र का लोकार्पण इस अवधि में किया गया। चंदेरी में निर्मित इकाई ताना-बाना का व्यावसायिक संचालन प्रारंभ किया गया। साथ ही राजगढ़ जिले के ब्यावरा तथा सीहोर जिले के डोडी में संचालित इकाई के विस्तार एवं उन्नयन कार्य की शुरूआत की गई। भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना में वाइल्ड लाइफ सर्किट के लिये 92 करोड़ 21 लाख की परियोजना स्वीकृत हुई है। बुद्धिस्ट सर्किट परियोजना के लिये भारत सरकार द्वारा 75 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। भारत सरकार द्वारा प्रदेश में हेरिटेज सर्किट विकास के लिये 98 लाख रुपए से अधिक की मंजूरी दी गई है। हेरिटेज पर्यटन विकास के लिये निवेशकों को नये अवसर उपलब्ध करवाये गये हैं। रूपये एक लाख की अपसेट प्राईस पर निवेशकों को निविदा के माध्यम से हेरिटेज प्रॉपर्टी आफर की जाती है। हाल ही में ताजमहल पैलेस भोपाल, गोविंदगढ़ फोर्ट रीवा एवं माधवगढ़ फोर्ट के विकास के लिये इन्वेस्टर्स का चयन किया गया है।

अवार्डस की श्रंखला : मध्यप्रदेश पर्यटन को हाल ही में और भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। वर्ष 2015-16 में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित पाँच नेशनल अवार्ड मध्यप्रदेश को हासिल हुए हैं। इनमें बेस्ट टूरिज्म स्टेट का राष्ट्रीय अवार्ड शामिल है। पिछले साल भी मध्यप्रदेश को 6 राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुए थे। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली में मध्यप्रदेश पर्यटन को 'हॉस्पिटेलिटी अवार्ड-2016' प्रदान किया गया। पुणे में ट्रेवल एंड टूरिज्म फेयर में मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को 'बेस्ट डेकोरेशन अवार्ड' प्राप्त हुआ। हैदराबाद में इंडीवुड फिल्म फेस्टिवल में मध्यप्रदेश पर्यटन को 'बेस्ट टूरिज्म बोर्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया। मुम्बई में ट्रेवल एंड टूरिज्म फेयर में मध्यप्रदेश पर्यटन के पवेलियन को 'बेस्ट डेकोरेशन अवार्ड', मुम्बई में ही इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट में मध्यप्रदेश पर्यटन को 'बेस्ट वाइल्ड लाइफ डेस्टिनेशन ऑफ द इयर अवार्ड' और मुम्बई में आयोजित लोकेशन्स एक्जीबिशन कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश पर्यटन को 'लोकेशन्स एप्रीसिएशन्स फॉर इंडिया स्टेट स्पॉन्सरशिप अवार्ड' प्रदान किया गया है। यह अवार्ड्स और सम्मान इस बात का प्रतीक है कि मध्यप्रदेश पर्यटन अपने उद्देश्यों की पूर्ति में प्रतिबद्धता के साथ जुटा हुआ है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

इस फल को खाने से खत्म हो जाएगा कैंसर...

कैंसर के मरीजों पर 25 वर्षों के शोध के बाद कैलीफोर्निया यूनिवर्सिटी के मेडिकल फिजिक्स एवं साइकोलॉजी के सीनियर प्रोफेसर डॉ. हर्डिन बी जॉन्स का कहना है कि कैंसर के इलाज के तौर पर प्रयोग की जाने वाली कीमोथैरेपी कैंसर पीड़ित मरीज को दर्दनाक मौत की तरह ले जा सकती है.

इसके बजाए प्राकृतिक तौर पर अपनाई जाने वाली घरेलू दवा, कैंसर के इलाज में अधिक कारगर साबित होती है, वह भी बगैर किसी साइड इफेक्ट के. हम आपको बताने जा रहे हैं एक ऐसी दवा के बारे में जो कैंसर कोशिकाओं को तेजी से समाप्त करने में बेहद कारगर साबित हो सकती है.

हाल ही में हुए एक शोध में यह बात साबित हुई है कि अंगूर के बीजों का सत्व या अर्क ल्यूकेमिया और कैंसर के अन्य प्रकारों को बहुत ही सकारात्मक ढंग से ठीक करने में बेहद मददगार साबित होता है.

शोध में यह साबित हो चुका है कि अंगूर के बीज सिर्फ 48 घंटे में हर तरह के कैंसर को 76 प्रतिशत तक विकीर्ण करने में सक्षम है. अमेरिकन एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक कैंसर रिसर्च के अनुसार अगूर के बीज में पाया जाने वाला जेएनके प्रोटीन, कैंसर कोशिकाओं की विकीर्णों को नियंत्रित करने का काम करता है. कैंसर के इलाज के तौर पर अंगूर के बीज काफी कारगर घरेलू उपाय है.

मौत का कारण बन सकता है च्यूइंगम का शौक

अगर आप रोजाना ब्रेड और च्यूइंगम खाते हैं तो जरा सावधान हो जाएं. क्योंकि यह आपकी जान भी ले सकता है.

जी हां, यह पढ़कर संभवत: आपको आश्चर्य हो, पर एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट कुछ ऐसा ही दावा कर रही है.

रिपोर्ट के अनुसार ब्रेड और च्यूइंगम में पाया जाने वाला तत्व कोलोन कैंसर की वजह बनता है, जिसकी वजह से समय से पहले ही व्यक्ति की मौत हो सकती है.

नैनोइम्पैक्ट के जरनल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार ब्रेड और च्यूइंगम में टाइटेनियम डाईऑक्साइड नाम का तत्व पाया जाता है, जो intestine के cell structure यानी कि जुड़ी हुई कोशिकाओं को तोड़ देता है.

कोशिकाओं के टूटते ही पाचनतंत्र कमजोर पड़ जाता है और इसकी वजह से संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है.

यही नहीं टाइटेनियम डाईऑक्साइड पेट की कोशिकाओं का जाल तोड़कर शरीर के दूसरे हिस्सों में भी चला जाता है.

अध्ययनकर्ता ग्रेचेन माहलर ने बताया कि च्यूइंगम और ब्रेड में पाया जाने वाला टाइटेनियम डाईऑक्साइड ऐसा तत्व है, जिसकी धीरे-धीरे लत लग जाती है और इसे खाने वाले व्यक्ति को बार-बार इसकी क्रेविंग होती है.

इसलिए बेहतर होगा कि आप आज और अभी से च्यूइंगम व ब्रेड खाना छोड़ दें.

हो जाएं सावधान, जहरीली हवा में ले रहे हैं आप सांस

भारत में प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है. दिवाली के अगले दिन दिल्ली और एनसीआर धुंध की चादर से ढक गया था. कई दिनों तक यह धुंध छाई रही. चीन के बाद सबसे ज्यादा भारत में ही प्रदूषण की वजह से मौत होती हैं. दुनियाभर में प्रदूषण से होने वाली मौतों में से आधी भारत और चीन में होती हैं.

दिल्ली में प्रदूषण पर सरकार का बड़ा फैसला, आधी गाड़ियां ही चलेंगी रोजाना

स्टेट ग्लोबल एयर 2017 की रिपोर्ट के अनुसार 2015 में ओजोन परत क्षीण होने की वजह से फेफड़ों से संबंधित बीमारियां बढ़ीं और 2.54 लाख लोगों को मौत हुई. यह रिपोर्ट बोस्टन में जारी की गई.

ओजोन प्रदूषण की वजह से सबसे ज्यादा मौत भारत में होती हैं. यह आंकड़ा बांग्लादेश से 13 गुना और पाकिस्तान से 21 गुना ज्यादा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की 92 फीसदी आबादी हानिकारक हवा में सांस लेती है. प्रदूषण समय से पहले मौत का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरा है.

यह रिसर्च करने वाले संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट' (HEI)के प्रेजिडेंट डैन ग्रीनबाउम ने बताया कि दुनिया के कई हिस्सों में स्थिति सुधर रही है, लेकिन चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं. यह रिपोर्ट HEI ने यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन और ब्रिटिश कोलंबिया की मदद से तैयार की गई है. इसमें 2,000 से ज्यादा शोधकर्ताओं ने काम किया है. रिपोर्ट के नतीजों के बारे में सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वाययर्नमेंट की अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा कि भारत को इस मामले में ढील नहीं देनी चाहिए. ओजोन प्रदूषण की वजह से कम उम्र में ही लोगों की मौत हो जाती है. यह स्वास्थ्य का आपातकाल है. इस समस्या से निपटने के लिए देशव्यापी कदम उठाने की जरूरत है. इसके लिए पूरी तैयारी के साथ काम करना जरूरी है.

ये खाते रहेंगे तो कभी नहीं होगी बीपी प्रॉब्लम...

ब्लड प्रेशर ऐसी समस्या बन गई है जो हर उम्र के लोगों में कॉमन होती जा रही है. दरअसल, ये एक लाइफस्टाइल डिसीज है. पर एक हालिया शोध में यह सामने आया है कि कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें खाने से ये बीमारी आपके पास तक नहीं फटकेगी...

अंगूर : अंगूर में पोटेशियम और फॉसफोरस होता है. इसे बीपी के लिए अच्छा माना जाता है.

केला : इसमें पोटेशियम होता है. साथ ही विटामिन बी6, विटामिन सी और मैगनीशियम भी होता है.

कच्चा प्याज : डॉक्टर कहते हैं कि पोटेशियम में एडेनोसाइन होता है जो हाइपरटेंशन के रोगियों के लिए लाभदायक है.

लहसुन : लहसुन के आर्टिरीज के पास जमा केलोस्ट्रोल पिघलता है. इससे रक्तस्त्राव भी बेहतर होता है.

धनिया : धनिया के पत्तों में काफी तरह के बायेएक्टिव होते हैं जिनमें एंटीमाइक्रोबियल, एंटीडिप्रेसेंट होते हैं. ये ब्लड शुगर को कम करता है और कोलेस्ट्रोल स्तर को सही रखता है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

दूसरों की हैंडराइटिंग पढ़ कर कैसे बनाएं अपना करियर...

हम सभी को लिखना-पढ़ना पसंद है और हो भी क्यों न? हमारी पीढ़ी को हमेशा से ही पढ़ने-लिखने के फायदे गिनाए जाते रहे हैं कि कैसे फलां पढ़-लिख कर बड़ा आदमी बन गया. कैसे उसके पास कभी दो जून की रोटी नहीं हुआ करती थी और आज वह हजारों लोगों के जीने की वजह बन गया है. चलिए हम भी आपको पहेलियां बुझाना बंद कर देते हैं. आज हम आपको ग्राफोलॉजी (राइटिंग की टेक्निक पकड़ने) के बारे में बताने जा रहे हैं.

क्या है ग्राफोलॉजी?

ग्राफोलॉजी एक ऐसी विधा (टेक्निक) है जिसमें इसका एक्सपर्ट लोगों की लिखावट के आधार पर लोगों के व्यक्तित्व व कार्यशैली का पता लगाता है. इसके तहत लोगों के भावनात्मक स्तर, कमजोरी, मजबूती, संशय, पसंद और नापसंद का पता चलाया जाता है.

ग्राफोलॉजिस्ट बनने के लिए जरूरी काबिलियत?

ग्राफोलॉजी एक्सपर्ट किसी इंसान के सिग्नेचर, लिखने का स्टाइल, किन्हीं शब्दों के बीच के गैप और शब्दों के झुकाव के पैटर्न की स्टडी करते हैं. जैसे कोई शख्स कितने बड़े वाक्य लिखता है. उसके लिखे शब्द एक पैटर्न में हैं कि नहीं. आपको छोटी-छोटी चीजों का खयाल रखना पड़ता है. इसके अलावा इस क्षेत्र में हाथ आजमाने की इच्छा रखने वाला खुद को मानसिक तौर पर तैयार करे तो बेहतर होगा.

नौकरी के मौके?

ग्राफोलॉजी को आज यंग जनरेशन कई तौर-तरीकों से अपना रही है. जैसे कि टीम बिल्डिंग, काउंसिलिंग और चाइल्ड ग्रोथ. वे कई बार लोगों के साथ होने वाली मानसिक दिक्कतों के भी सॉल्यूशन इनके भीतर खोजते हैं. रिसर्च बताते हैं कि लोग अपनी राइटिंग में बदलाव लाकर अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव ला सकते हैं.

करियर ऑप्शन?

कॉरपोरेट घराने और कंसंलटेंट सर्विस अपने यहां ग्राफोलॉजिस्ट हायर करती हैं ताकि वे अपने यहां सुलझे लोगों को नौकरी पर रख सकें. वे उनकी मदद से लोगों के व्यक्तित्व का आकलन करते हैं कि आगे के काम में अगला शख्स उनका किस प्रकार मददगार होगा.

फोरेंसिक जांच के लिए भी अलग-अलग संगठन ग्राफोलॉजी स्पेशलिस्टों को हायर करती है ताकि वे क्रिमिनल केस सॉल्व कर सके.

कोर्ट और पुलिस महकमा भी समय-समय पर इन स्पेशलिस्ट्स की मदद लेता है.

वे कई बार सही-गलत हस्ताक्षर व हैंडराइटिंग को पहचानने के लिए इस्तेमाल में लाए जाते हैं. इसके अलावा कई स्कूल भी इनकी मदद से स्टूडेंट्स की कार्यक्षमता में इजाफे की कोशिश करते हैं.

कहां से करें कोर्स?

आज हमारे देश में ऐसे कई संस्थान हैं जहां इस स्किल से जुड़े कोर्स जैसे डिग्री-डिप्लोमा कराए जाते हैं. कोलाकाता का ग्राफोलॉजी संस्थान, कोलकाता का एजुकेशन व डेवलपमेंट प्रोग्राम, मुंबई का अंतरराष्ट्रीय ग्राफोलॉजी रिसर्च सेंटर उनमें शामिल हैं.

कितनी हो सकती है कमाई?

अब यह तो किसी एक्सपर्ट और उसके स्किल के आधार पर तय होता है कि अगला कितना पैसा कमा सकेगा. एक बढ़िया ग्राफोलॉजिस्ट घंटे के 1000 रुपये तक कमा सकता है. इसमें फ्रीलांस करने वाले 25,000 रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं. किसी एजेंसी के साथ जुड़ने पर यह कमाई 40,000 प्रतिमाह तक हो सकती है.

बिल गेट्स से सीखें सफल बिजनेसमैन बनने का मंत्र

दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और सफल बिजनेस मैन बिल गेट्स खुद को टेक्नोक्रेट कहते हैं और वो मानते हैं कि तकनीक के जरिये दुनिया को और भी बेहतर बनाया जा सकता है. बिल गेट्स की सफलता और उनका लगातार सबसे धनी व्यक्ति की सूची में पहले स्थान पर बने रहना कोई इत्तेफाक नहीं है. बल्कि बिल इसके लिए आज भी कड़ी मेहनत करते हैं.

बिल गेट्स की सफलता के पीछे कौन सा मंत्र है आप भी जानिये...

1. बिल गेट्स कभी कल के भरोसे काम नहीं छोड़ते. उनका मानना है कि किसी भी काम को दूसरे दिन पर नहीं टालना चाहिए. संभव हो तो उसे उसी वक्त कर डालें.

2. बिल दिल से अब भी जवां महसूस करते हैं. बिजनेस जगत में वो इस बात के लिए काफी मशहूर भी हैं. वो हमेशा एक्टिव रहते हैं. बिजनेस में कामयाबी की ये सबसे बड़ी वजह है.

3. बिल गेट्स ने एक साक्षात्कार में कहा था कि सफलता के लिए अवसरों की पहचान होना भी जरूरी है. इसके साथ ही यह भी मानें कि कोई काम छोटा नहीं होता और न ही खराब होता है.

4. अपने डर का सामना करें और अपने आसपास हमेशा अच्छे लोगों को रखें, जो आपको सकारात्मकता दें. न कि निगेटिव बातें करें.

5. बिल गेट्स ने हार्वर्ड की पढ़ाई छोड़ कर बिजनेस की ओर रुख किया. कई बार हमें जीवन में रिस्क लेना पड़ता है. खुद पर भरोसा रखें और अपने विजन पर भी.

सफलता ज्ञान छुपाने से नहीं, दूसरों में बांटने से मिलती है

तकनीक के क्षेत्र में चीन की दिग्गज कंपनी शाओमी ने हाल ही में अपना नया ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट बनाया है. उनका नाम है मनु कुमार जैन. IIT दिल्ली और IIM कोलकाता से पढ़ाई करने वाले मनु कुमार जैन की सफलता पाने की कहानी थोड़ी अलग है. उनकी अलग सोच और अलग नजरिये ने इस मुकाम तक पहुंचाया.

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2017 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

महाराष्ट्र के शिरडी में करें साईं बाबा के दर्शन

शिरडी के साईं की प्रसिद्धि दूर दूर तक है और यह पवित्र धार्मिक स्थल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित है. यह साईं की धरती है जहां साईं ने अपने चमत्कारों से लोगों को विस्मृत किया. साईं का जीवन शिरडी में बीता जहां उन्होंने लोक कल्याणकारी कार्य किए.

उन्होंने अपने अनुयायियों को भक्ति और धर्म की शिक्षा दी. साईं के अनुयायियों में देश के बड़े-बड़े नेता, खिलाड़ी, फिल्म कलाकार, बिजनेसमैन, शिक्षाविद समेत करोड़ों लोग शामिल हैं. शिरडी में साईं का एक विशाल मंदिर है. मान्यता है कि, चाहे गरीब हो या अमीर साईं के दर्शन करने इनके दरबार पहुंचा कोई भी शख्स खाली हाथ नहीं लौटता है. सभी की मुरादें और मन्नतें पूरी होती हैं.

शिरडी के साईं बाबा : शिरडी के साईं बाबा का वास्तविक नाम, जन्मस्थान और जन्म की तारीख किसी को पता नहीं है. हालांकि साईं का जीवनकाल 1838-1918 तक माना जाता है. कई लेखकों ने साईं पर पुस्तकें लिखीं हैं. साईं पर लगभग 40 किताबें लिखी गई हैं. शिरडी में साईं कहां से प्रकट हुए यह कोई नहीं जानता. साईं असाधारण थे और उनकी कृपा वहां के सीधे-सादे गांववालों पर सबसे पहले बरसी. आज शिरडी एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है.

साईं के उपदेशों से लगता है कि इस संत का धरती पर प्रकट होना लोगों में धर्म, जाति का भेद मिटाने और शान्ति, समानता की समृद्धि के लिए हुआ था. साईं बाबा को बच्चों से बहुत स्नेह था. साईं ने सदा प्रयास किया कि लोग जीवन की छोटी-छोटी समस्याओं व मुसीबतों में एक दूसरे की सहायता करें और एक दूसरे के मन में श्रद्धा और भक्ति का संचार करें. इस उद्देश्य के लिए उन्हें अपनी दिव्य शक्ति का भी प्रयोग करना पड़ा.

शिरडी का साईं मंदिर : शिरडी में साईं बाबा का पवित्र मंदिर साईं की समाधि के ऊपर बनाया गया है. साईं के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए इस मंदिर का निर्माण 1922 में किया गया था. साईं 16 साल की उम्र में शिरडी आए और चिरसमाधि में लीन होने तक यहीं रहे. साईं को लोग आध्यात्मिक गुरु और फकीर के रूप में भी जानते हैं. साईं के अनुयायियों में हिंदू के साथ ही मुस्लिम भी हैं. इसका कारण है कि अपने जीवनकाल के दौरान साईं मस्जिद में रहे थे जबकि उनकी समाधि को मंदिर का रूप दिया गया है.

साईं मंदिर में दर्शन : साईं का मंदिर सुबह 4 बजे खुल जाता है. सुबह की आरती 5 बजे होती है. इसके बाद सुबह 5.40 से श्रद्धालु दर्शन करना शुरू कर देते हैं जो दिनभर चलता रहता है. इस दौरान दोपहर के वक्त 12 बजे और शाम को सूर्यास्त के तुरंत बाद भी आरती की जाती है. रात 10.30 बजे दिन की अंतिम आरती के बाद एक शॉल साईं की विशाल मूर्ति के चारो ओर लपेट दी जाती है और साईं को रुद्राक्ष की माला पहनाई जाती है. इसके पश्चात मूर्ति के समीप एक गिलास पानी रख दिया जाता है और फिर मच्छरदानी लगा दिया जाता है. रात 11.15 बजे मंदिर का पट बंद कर दिया जाता है.

साईं को रिकार्ड चढ़ावा : साईं के समाधि पर प्रतिदिन लाखों की तादाद में लोग आते हैं और साईं की झोली में अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुरूप कुछ दे कर चले जाते हैं. शिरडी के साईं बाबा का मंदिर अपने रिकार्ड तोड़ चढ़ावे के लिए हमेशा खबरों में भी रहता है. साल दर साल यह रिकार्ड टूटता ही जा रहा है. कुछ दिनों पहले

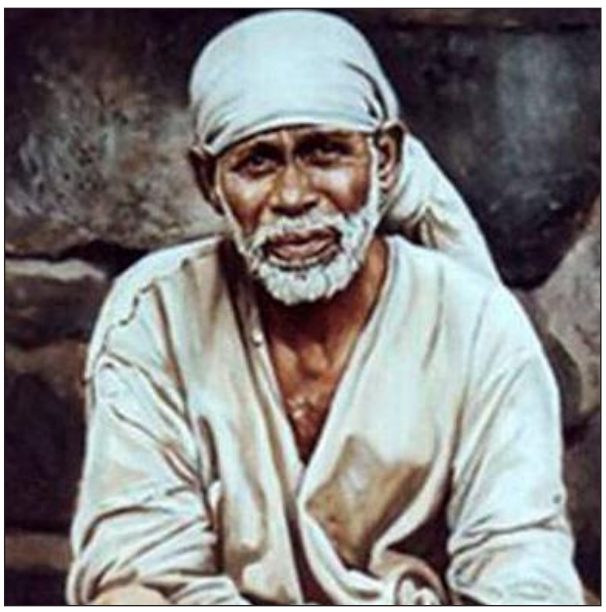

किए गए आकलन के अनुसार साल 2011 में भक्तों ने यहां अरबों रुपये चढ़ाए हैं.

किसी ने साईं को सोने का मुकुट दिया तो किसी ने सोने का सिंहासन. किसी ने चांदी की बेशकीमती आभूषण दिए तो किसी ने करोड़ों की संपत्ति. कोई करोड़ों का गुप्तदान करके चला गया तो किसी ने अपनी पूरी जायदाद भगवान के हवाले कर दी. इस एक साल के दौरान करीब पांच करोड़ रुपये चढ़ावा आने की अधिकारिक पुष्टि की गई है.

आसपास क्या देखें : साईं म्यूजियम , साईं से जुड़े विभिन्न वस्तुओं का संग्रह है साईं म्यूजियम. यह म्यूजियम साईंबाबा संस्थान की देखरेख में चलाया जाता है और यहां साईं से जुड़ी कई निजी वस्तुएं भक्तों के दर्शन हेतु रखे गए हैं. साईं का पादुका, खानदोबा के पुजारी को साईं के दिए सिक्के, समूह में लोगों को खिलाने के लिए इस्तेमाल किए गए बर्तन, साईं द्वारा इस्तेमाल की गई पीसने की चक्की उन वस्तुओं में शामिल हैं जो लोगों को दर्शन के लिए इस म्यूजिमय में रखी गई हैं.

खानडोबा मंदिर : खानडोबा मंदिर मुख्य मार्ग पर स्थित है. इस मंदिर के मुख्य पुजारी महलसापति ने साईं का शिरडी में स्वागत करते हुए कहा था 'आओ साईं'. इस मंदिर में खनडोबा, बनाई और महलसाईं के प्रतीक रखे गए हैं.

शनि शिंगणापुर : अहमदनगर जिले में ही स्थित है प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर जो साईं के मंदिर से करीब 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. शनि शिंगणापुर गांव कि खासियत यहां के कई घरों में दरवाजे का ना होना है. यहां के घरों में कहीं भी कुंडी तथा कड़ी लगाकर ताला नहीं लगाया जाता है. मान्यता है कि ऐसा शनिदेव की आज्ञा से किया जाता है.

कैसे पहुंचे शिरडी : ट्रेन, मुंबई से शिरडी पहुंचने के लिए जनशताब्दी स्पेशल (01037), शिरडी फास्ट पैसेंजर (51033) ट्रेन प्रतिदिन चलती है. इसके अलावा अगर मनमाड स्टेशन पहुंचना हो तो मुंबई सीएसटी, लोकमान्य टर्मिनल और दादर से करीब 50 ट्रेनें उपलब्ध हैं. अगर आप पुणे से ट्रेन के जरिए शिरडी पहुंचना चाहते हैं तो प्रतिदिन तीन ट्रेनें उपलब्ध हैं. दिल्ली से ट्रेन के जरिए मनमाड (Manmad) स्टेशन पहुंचे. दिल्ली से मनमाड पहुंचने के लिए प्रतिदिन ट्रेने चलती हैं. पंजाब मेल (12138), स्वर्ण जयंती (12782), झेलम एक्सप्रेस (11078), गोवा एक्सप्रेस (12780), कर्नाटक एक्सप्रेस (12628) समेत कई ट्रेने नई दिल्ली से प्रतिदिन मनमाड के लिए चलती हैं.

अगर आप चेन्नई से शिरडी पहुंचना चाहते हैं तो बुधवार और गुरुवार के दिन चेन्नई सेंट्रल से साईं नगर शिरडी सुपरफास्ट ट्रेन (22601) चलती है जबकि शुक्रवार और शनिवार को साईं नगर शिरडी-चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट (22602) चलती है.

हैदराबाद से मनमाड जंक्शन के लिए दो ट्रेनें (17058 देवगिरी एक्सप्रेस और 17064 अजंता एक्सप्रेस) प्रतिदिन चलती हैं इसके अलावा पांच अन्य ट्रेनें भी उपलब्ध हैं जो अलग-अलग दिन मनमाड के लिए रवाना होती हैं.

सड़क : बई से शिरडी और शिंगणापुर के लिए प्रतिदिन बसें चलती हैं. रात दस बजे के आसपास बोरीवली से बस सेवा शुरू होती है जो अगले दिन सुबह शिरडी पहुंचती है. दिन में साईं के दर्शन और शाम तक शनि शिंगणापुर के दर्शन कर आप राज 10 बजे वापस बस पकड़ लें जो आपको अगले दिन सुबह मुंबई पहुंचा देगी. बस का किराया सुविधाओं के अनुसार 1000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक हो सकता है.

वायु मार्ग : अगर आप देश के दूसरे प्रांत से हवाई मार्ग के जरिए शिरडी पहुंचना चाहते हैं तो मुंबई या पुणे उतर कर यहां से टैक्सी, बस या ट्रेन के जरिए शिरडी (या मनमाड) पहुंच सकते हैं.

नवरात्रि में क्यों नहीं खाया जाता अन्न ?

नवरात्रि पर देवी पूजन और नौ दिन के व्रत का बहुत महत्व है. मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना का पावन पर्व शुरू हो रहा है. इन नौ दिनों में व्रत रखने वालों के लिए कुछ नियम होते हैं. इससे जुड़े महत्वपूर्ण नियमों में से एक है नौ दिनों तक अन्न न खाना और इसी के साथ ही प्याज-लहसुन, शराब और नॉन वेज भी का भी परहेज बताया गया है.

नवरात्रि में सिर्फ फलाहारी क्यों? : नवरात्रि के दिन नौ दिन व्रत करने वाले लोग हों या फिर सिर्फ दो दिन का व्रत करने वाले. इस व्रत में सिर्फ फलाहारी का सेवन करना ही अनिवार्य बताया गया है. व्रत रखने वाले लोग फल, जूस, दूध और मावा की बनी मिठाई खाते हैं. इस दौरान सेंधा नमक का सेवन भी किया जा सकता है. कुट्टू का आटा और साबूदाने की बनी चीजों को भी खाना लोग पसंद करते हैं.

नवरात्रि से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं : धार्मिक मान्यताओं की मानें तो व्रत करने से शरीर शुद्ध और मन साफ होता है. इसी वजह से इंसान भगवान की साधना शांति से कर पाता है. ऐसे करने से उसकी इच्छाशक्ति भी प्रबल होती है.

व्रत पर क्या कहता है विज्ञान : धार्मिक ही नहीं व्रत-उपवास के महत्व को सांइस भी मानता है. साल में दो बार आने वाली नवरात्रि के दौरान मौसम बदल रहा होता है और बदलते मौसम में शरीर को रोगमुक्त रखने के लिए अगर नौ दिन के व्रत करना लाभकारी होता है.

क्या कहता है आयुर्वेद? : प्राचीन समय में तपस्वी और मुनि कठोर तप करते थे और इस दौरान वह सिर्फ फूल-फल और पेय पदार्थों का सेवन करते थे. इस कारण से उनका शरीर विषैले तत्वों से दूर रहता था. आयुर्वेद के मुताबिक जब मौसम बदलता है तो मांसाहार, लहसुन, प्याज आदि के सेवन से परहेज करना चाहिए. नवरात्रि के दौरान शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता काफी कम होती है. इसलिए हल्का भोजन सेहत के लिए अच्छा होता है.

189 रन पर भारत ऑल आउट, लियोन ने झटके 8 विकेट

बंगलुरु। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारत को पहली पारी में 189 रनों के मामूली स्कोर पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में ठोस शुरुआत की. पहले दिन का खेल समाप्त होने तक उसने बिना किसी नुकसान के 40 रन बना लिये हैं. स्टंप्स के समय दोनों सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (23 रन) और मैट रेनशॉ (15 रन) क्रीज पर हैं. ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में अब तक 16 ओवर खेले हैं. इस दौरान भारत ने अपने चार गेंदबाजों को लगाया, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली.

भारत की धरती पर नंबर-1 विदेशी गेंदबाज बने नाथन लियोन

लियोन की फिरकी में उलझ गई टीम इंडिया : नाथन लियोन (8/50) ने अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी. एक छोर पर बल्ला थामे लोकेश राहुल 90 रन बना आउट हो गए. वे नौवें विकेट के रूप में लौटे. उन्हें रेनशॉ ने लियोन की गेंद पर लपका. ईशांत शर्मा (0) का विकेट लेकर लियोन ने भारत को आखिरी झटका दिया. इससे पहले चायकाल के ठीक बाद भारत को छठा झटका लगा, जब आर. अश्विन (7 रन) को नाथन लियोन ने डेविड वॉर्नर के हाथों लपकवाया. 178 रन के स्कोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (1 रन) को आउट कर नाथन लियोन ने

भारत को सातवां झटका दिया. लियोन के खाते में यह पांचवां विकेट गया. 188 के स्कोर पर लियोन ने रवींद्र जडेजा (3 रन) को स्मिथ के हाथों कैच करा भारत का 8वां विकेट गिराया.

भारत की एक बार फिर खराब शुरुआत : शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत की खराब शुरुआत हुई. 11 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद बगैर खाता खोले मिशेल स्टार्क की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए. 2011 में टेस्ट डेब्यू करने वाले मुकुंद को 56 टेस्ट बाद टीम में शामिल किया गया है. मैच की पहली ही गेंद पर चौका लगा कर अपनी पारी का आगाज करने वाले लोकेश राहुल और चेतेश्वर पुजारा (17 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 61 रन जोड़े.पुजारा को नाथन लियोन ने अपना शिकार बनाया. जबकि दूसरे छोर पर राहुल ने लंच के ठीक बाद अपना अर्धशतक पूरा किया. टेस्ट में यह उनकी तीसरी फिफ्टी है.

विराट ने रिव्यू लिया, लेकिन बच नहीं पाए : 88 के स्कोर पर कप्तान विराट कोहली (12 रन) लियोन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए. दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई फील्डर्स की अपील पर विराट को अंपायर ने एलबीडब्ल्यू दिया.विराट ने राहुल से बात कर रिव्यू ले लिया.लेकिन टीवी रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद मिडिल और लेग स्टंप की लाइन में थी. आखिरकार विराट को पैवेलियन की ओर लौटना पड़ा.इसके बाद 118 के स्कोर पर अजिंक्य रहाणे (17 रन) को लियोन ने स्टंप करा भारत को चौथा झटका दिया.करुण नायर (26 रन) 156 के स्कोर पर स्टीव ओकीफे के शिकार हुए. ये भी स्टंप कर दिए गए.

भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग ली : इससे पहले भारत ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. इस टेस्ट में अभिनव मुकुंद और करुण नायर को मौका दिया गया है. मुरली विजय और जयंत यादव इस मैच में नहीं खेल रहे हैं. जबकि ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया. बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही टीम इंडिया के लिए इस टेस्ट में वापसी का मौका है. यहां भारत-ऑस्ट्रेलिया अब तक 5 बार भिड़ चुके हैं. जिनमें से भारत को एक ही बार जीत मिली है. जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दो बार बाजी मारी है. 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 217 रनों से हराया था, जिसका बदला भारत ने 2010 में 7 विकेट से हरा कर लिया था.

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की नजर इस रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरा टेस्ट मैच जारी है। हालांकि, बेंगुलरु में चल रहे इस टेस्ट में भी भारत की शुरुआत काफी खराब रही है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी यहां नए-नए रिकॉर्ड बनाने में कामयाब हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लॉयन के बाद अब कैप्टन स्टीव स्मिथ की नजर भी एक रिकॉर्ड पर टिकी हुई है।

बेंगलुरु टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं. चिन्नास्वामी स्टेडियम में अगर वे 112 रन बनाने में कामयाब रहे तो टेस्ट क्रिकेट में 5000 रन के आंकड़े को छू लेंगे। स्मिथ जिस अंदाज में बैटिंग कर रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि बेंगलुरु टेस्ट में ही वे इस रिकॉर्ड के बनाने में सफल रहेंगे।

हालांकि, भारतीय टीम की कोशिश होगी कि वह स्मिथ को जल्द आउट कर न सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई टीम पर दबाव बनाए, बल्कि बेंगलुरु में उन्हें यह रिकॉर्ड बनाने से भी रोकें। इसके लिए टीम इंडिया के खिलाड़ियों को कैच ड्रॉप करने की अपने कमजोरी को दूर करना होगा।

पिछली गलतियों से सीखने की जरुरत : टीम इंडिया को पिछले टेस्ट मैचों की कई गलतियों से भी सबक लेने की जरुरत है। बता दें कि भारत ने पिछले 10 टेस्ट मैचों में 23 कैच टपकाए हैं जबकि पुणे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में ही 5-6 कैच छोड़े। अधिकांश कैच स्लिप, गली और विकेट के पीछे छूटे। पुणे में नजदीकी फील्डरों ने स्पिनरों की गेंदों पर कैच टपकाए, लेकिन टीम इंडिया को अब इन गलतियों में सुधार करना होगा।

ये सच है कि जब बॉलर और बैट्समैन फ्लॉप होते हैं तो फील्डिंग के बूते भी कई मैच जीते जाते रहे हैं और ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी शानदार फील्डिंग के लिए ही जानी जाती रही है। बेंगलुरू टेस्ट में भारत के लिए एक भी कैच छोड़ना बड़ा खतरा बन सकता है। इसलिए अगर बेंगलुरू टेस्ट फतह करना है तो टीम इंडिया को हर कैच पकड़ना होगा।

क्लार्क ने भी कैच को लेकर दी चेतावनी : ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व माइकल क्लार्क ने भी भारतीय टीम को भी चेतावनी दी है कि कैच पकड़ें नहीं तो ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा कप्तान स्टीव स्मिथ फिर से शतक लगा सकते हैं।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)